ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-11-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-11-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-11-30	2024-12-01	2024-12-02	2024-12-03	2024-12-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	30.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	14.0	14.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	14	12	18	18	17
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	26	18	26	31	33
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	11	13	14	13
पवन दिशा (डिग्री)	60	70	69	50	42
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 13.0 से 14.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 11-14 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 13.0 से 14.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 11-14 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम साफ और शुष्क रहने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल की राज 1482,राज 3077, राज 3765, राज 3777, राज 4037, राज 4083, पी बी डब्ल्यू 590, जी डब्ल्यू 11 एंव के आर एल 213 उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
गेहूँ	गेहूं की बुवाई के लिए बीज की मात्रा 100 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरको की मात्रा 60, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफाँस 20 ईसी 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ दें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों में 30-35 दिन की फसल पर सिंचाई करें तथा इसी समय 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
चना	चने की 40 दिन की फसल पर प्रथम सिंचाई करें। फसल में दीमक के प्रकोप को कम करने के लिए चार लीटर क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी प्रति हैक्टेयर सिंचाई के साथ दें।

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडामेथालिन 1 किलो सक्रिय तत्व (4.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में) प्रति हेक्टयर की दर से बुवाई के बाद तथा अंकुरण से पहले प्रयोग करें।
गाजर	गाजर की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु निराई गुडाई करें तथा शेष बची नत्रजन की मात्रा 30 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के 45 दिन बाद में दें।
बेर	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि बेर में अभी फूल से फल बनने की अवस्था चल रही हैं अतः भारी सिंचाई न करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने का विशेष ध्यान रखें तथा रात के समय नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे ।